

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 19 नवंबर 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

राहुल गांधी लाहौर से
शुरू करें यात्रा: भूपेंद्र
चौधरी

बरेली
बरेली के सर्किंट हाउस पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि गठबंधन के नेता तात्कालिक विषयों से जनता का ध्यान हटाने के लिए और लाइम लाइट में बने रहने के लिए गठबंधन का प्रताप अलापते हैं। ये स्वार्थी लोग हैं, इनका कोई वैचारिक मैल नहीं है, ये बेमेल गठबंधन की बात करते हैं, देश की जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता का गठबंधन मोदी की साथ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सवाल किया कि भारत जोड़ो यात्रा का मतलब क्या है, भारत अखंड है, भारत कांगड़ुमारी से श्रीनगर तक, गुजरात से मंगलपुर तक है। भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में देश के सामने है। जो भी बटवारा हुआ है, देश का विभाजन हुआ है वो कांग्रेस के समय में हुआ है। राहुल गांधी अगर उस बटवारे से चिन्तित है तो उन्हें यात्रा काबुल, लाहौर, कराची या इलामाराद से शुरू करें। सर्किंट हाउस में प्रदेश अध्यक्ष के साथ संसद संतोष गंगवार और बन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार भी मौजूद रहे।

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड में 3,753 करोड़ का किया घोटाला: बीजेपी नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल सरकार ने शनिवार को अनुसंधान में 3,753 करोड़ का घोटाला किया है। केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री मीनांकी लेखी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल सरकार पूरी तरह तरफ ब्राह्मण और द्वाबी है। शराब घोटाले के बाद अब जल बोर्ड में घोटाले का मामाला सामने आया है। दिल्ली जल बोर्ड में विभिन्न मर्दों में 3,753 करोड़ का घोटाला हुआ है। वर्ष 2017-18 से 2022-23 तक उनके किए गए कारों के विवरण तक गायब है। बैंक और दिल्ली जल बोर्ड के वित्तीय विवरण में 166 करोड़ रुपये का अंतर है।

खेल-खिलौने से बच्चों को पढ़ाने और सिखाने का छिड़ेगा अभियान



खास बात यह है कि इस योजना को अपने उनमें सीखने व सुनने से पहले हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ध्वंश प्रधान सहित शिक्षा मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों ने आइडीयोगी गांधीनगर स्थित सेंटर फार क्रिएटिव लर्निंग को भी देखा है। साथ ही इस अभियान में मदद को लेकर चर्चा की जा रही है।

इस दौरान इस सेंटर की ओर से शिक्षा मंत्री के समक्ष एक प्रस्तुति भी दी गई। साथ ही यह बताया गया कि बच्चों को खेल-खिलौने के जरिए पढ़ाने से क्या फायद है। इस बीच गुजरात और उत्तर प्रदेश के चुनिंदा स्कूलों में उनके आंसे से चलाए जा रहे प्रगतिशील दिवायां द्वारा गुजरात के लिए एक प्रतिवर्षीय कार्यक्रम की जानकारी दी गई। बाकी बच्चों के लिए उत्तर प्रदेश के लिए एक प्रतिवर्षीय कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

फिलाल इस अभियान की शुरूआत देश भर के बालिका विद्यालयों और पीस-श्री स्कूलों से की जाएगी। बाद में इस सभी केंद्रीय और अन्वेषक विद्यालयों एवं आगे बढ़कर अब इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

ज्ञानवापी मामले में मुकदमा दर्ज करने को लेकर

दायित्विल याचिका को न्यायालय ने किया खारिज

वाराणसी

ज्ञानवापी मामले में 156(3) सीआरपीसी के तहत दायित्विल याचिका स्पेशल सीजेएम शिखा यादव की अदालत ने शनिवार को सुनवाई के पश्चात खारिज कर दिया। अदालत ने दायित्विल याचिका को पोषणीय योग्य नहीं माना। न्यायालय ने इस याचिका में पिछली सुनवाई में ही फैसला

सुरक्षित रखा था। बादी बजरीडी भैलपुर निवासी विवेक सोनी और नितृपुर निवासी यादवज श्रीवास्तव के अधिकारियों ने कहा कि अदालत के फैसले के खिलाफ प्रतिवाद कर दी जायेगी। इसके पहले अदालत में चुनौती दोंगे। बादी पक्ष के अधिकारी देशराज श्रीवास्तव व नित्यानन्द राय ने बताया कि इस आदेश से हम संतुष्ट नहीं हैं। और आदेश के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था।

मदिर के मलबे से ही क्षति दोषित होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

जिला जज की अदालत में चुनौती दोंगे। आज पक्षीकृत नकल के लिये प्रारंभना पत्र दायित्विल किया गया है। नकल मिलते ही रिविजन या पुनरीक्षण याचिका दायित्विल कर दी जायेगी। इसके पहले अदालत को फैसलन मुकाबले में विवराक को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आमने सामने होंगे। मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित

प्रेसवार्ता में रोहित ने विपक्ष के बारे में चिंता करने के बजाय अपने खेल पर टिके रहने और शांत होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

करने के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था।

मदिर के मलबे से ही क्षति दोषित होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

करने के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था।

मदिर के मलबे से ही क्षति दोषित होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

करने के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था।

मदिर के मलबे से ही क्षति दोषित होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

करने के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था।

मदिर के मलबे से ही क्षति दोषित होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

करने के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षतिग्रस्त किया गया था।

मदिर के मलबे से ही क्षति दोषित होने के महल पर जोर दिया। रोहित ने कहा, "यह बिना किसी संदेह के एक बड़ा अवसरा है। हमने अब तक जो भी सपना देखा है वह यहां है। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहल है कि आप इस तरह के लिए तैयार हों। हमें प्रारूपों के अनुसार पेशेवरों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में खिलाड़ियों की पहचान करनी थी।"

करने के उपरांत इसे स्थापित किया गया था। जो जीवित स्वरूप है और उसका कभी विवेद्य नहीं हुआ है। बल्कि मात्र मदिर के स्वरूप को क्षत

संपादक की कलम से

देश की लोकतांत्रिक आस्था और उसका परिमार्जित मूल्यांकन

दुनिया स्तंभित हो रही है भारत की आर्थिक तरक्की से



www.IBM-INDIA.COM (Indian Economy)

क उपभाग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। आगे आने वाले 10 वर्षों के दौरान आर्थिक क्षेत्र में भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करने जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्विक स्तर पर सुपर पावर बनने के पीछे भारत के विशाल आंतरिक बाजार, स्व-भाव एवं स्वदेशी का दर्शन को मुख्य कारण है। आप जनता में स्व का भाव जगा कर, उनमें राष्ट्र प्रेम एवं स्व-संस्कृति की मानवानि विकासित करना भी आवश्यक है। इससे आर्थिक गतिविधियों को देशित होने की इच्छा शक्ति नागरिकों में जागृत होती है और देश के आर्थिक विकास में प्रबल तेजी दृष्टिकोण होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी वर्ष 1925 में, अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय नागरिकों में स्व का भाव जगाने का लगातार प्रयास कर रहा है। निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, शीघ्र ही भारत विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरकी करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान हैं दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। निस्सदैह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जो भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है। भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने को सकारात्मक रूप देने की अपेक्षा है, जिसमें गतावा एवं भूखमरी का कलंक मिटाना जरूरी है। आजादी के अमृत महोत्सव तक की आर्थिक यात्रा का लक्ष्य अब प्रजातांत्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना को हासिल करने का हो, देश में मानवीय मूल्यों, शांति एवं अहिंसक सिद्धांतों और आर्थिक समानता पर ध्यान देना होगा। भारत ने इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखाई है। इसी से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे नागरिकों को कल का मध्यम वर्ग बनाएगी, इससे देश में विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा तथा देश की आर्थिक उन्नति की गति भी तेज होगी। यह भारतीय सनातन संस्कारों के चलते ही सम्भव हो पाया है। भारत में विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान एवं इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा भारतीय सनातन संस्कारों का पालन करते हुए गरीब वर्ग के लाभार्थ चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। विशेष रूप से 9 वर्षों के दौरान भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जिसके चलते भारत में गरीबी तेजी से कम हुई है और भारत को गरीबी उन्मूलन के मामले में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। भारत में अतिगरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले करोड़ों नागरिकों का इतने कम समय में गरीबी रेखा के ऊपर आना विश्व के अन्य देशों के लिए एक सबक एवं प्रेरणा है। भारत में गरीबी का जो बदलाव आया है वह धारातल पर दिखाई देता है। इससे पूरे विश्व में भारत की छवि बदल गई है। भारत की आर्थिक सौच, नीतियां एवं योजनाएं अब दुनिया के लिये अनुकरणीय बन रही हैं। दुनिया भारत की ओर संभावनाओं एवं आशाओं की नजर से देखने लगी है, यह बड़ा एवं सकारात्मक परिवर्तन न केवल आर्थिक महाशक्ति बल्कि विश्व का नेतृत्व करने की क्षमताओं का संकेत दे रहा है, जो सुखद है। प्रेषक:

भारत-अमेरिका को यारा, दुनिया पर भारी

राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा के बागियों की बहार है। भाजपा को भी कल्प लागियों को सजी पर्ति समर्पिती वसंथा गजे के गवामगवाम तब्दी कमिस में भी लागियों की कमी नहीं है।

रह कई बड़े कद वाले नेता इस समय बागी उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में है। भाजपा के बागियों में यूनस खान और वर्षभान विधायक चन्द्रभान सिंह आव्या राजगढ़ से विधायक जोहरीलाल मीणा, शाहपुरा से विधायक आलोक बेनीवाल, संगरिया से पूर्व विधायक डॉ. परमनवदीप, गंगानगर से नगर परिषद में कांग्रेस की सभापति करुणा चांडक, नागर से हबीब उर रहमान, थोद से महेश मोरदिया लूणकरण शहर से पूर्व मंत्री वीरेंद्र बेनीवाल, मुंडावर से अंजिल यादव, विराट नगर से पूर्व विधायक राम चंद्र सराधना, शिव से जिलाध्यक्ष फतेह खान और मनोहर थाना से कैलाश मीणा प्रमुख हैं।

पिछले चुनाव में बड़ी संख्या में बागी जीते जो अधिकांश कांग्रेसी थे। गहलोत सरकार के संकट के दौरान बागी जीते विधायकों ने सरकार को अपना समर्थन दिया था। इस बार भी बागी निर्दलीय के रूप में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। यहाँ एक दल में टिकट नहीं मिलता है तो दूसरे दल से टिकट लेकर चुनावी मैदान में उतरते हैं।

टिकट से वर्चित कांग्रेस विधायक जौहरी लाल मीणा और बाबूलाल बैरवा ने टिकट बेचने का आरोप लगाया। सत्ताधारी पार्टी के राजगढ़ से विधायक जोहरीलाल मीणा, शाहपुरा से विधायक आलोक बेनीवाल, संगरिया से पूर्व विधायक डॉ. परमनवदीप, गंगानगर से नगर परिषद में कांग्रेस की सभापति करुणा चांडक, नागर से हबीब उर रहमान, थोद से महेश मोरदिया लूणकरण शहर से पूर्व मंत्री वीरेंद्र बेनीवाल, मुंडावर से अंजिल यादव, विराट नगर से पूर्व विधायक राम चंद्र सराधना, शिव से जिलाध्यक्ष फतेह खान और मनोहर थाना से कैलाश मीणा प्रमुख हैं।

पिछले चुनाव में बड़ी संख्या में बागी जीते जो अधिकांश कांग्रेसी थे। गहलोत सरकार के संकट के दौरान बागी जीते विधायकों ने सरकार को अपना समर्थन दिया था। इस बार भी बागी निर्दलीय के रूप में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। यहाँ एक दल में टिकट नहीं मिलता है तो दूसरे दल से टिकट लेकर चुनावी मैदान में उतरते हैं।

भारत की संस्कृति एतिहासिक काल से विनम्रता, सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए। समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमा शुरू करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सदृश्य है जो उसे हर मुसीबत से विजयी हाना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊँचाईयों पहुँचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊँचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी रवज देखा है, यह जीवन का आवश्यक अंग भी ही है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किन्तु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा, सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रुपी यदि व्यक्ति कोई उपलब्ध हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए व्यक्ति बिना सार्वजनिक हित व उपलब्ध निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्ध पाने पर व्यक्ति का विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता, सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अंहकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, व्यक्ति अंहकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोंकि लगभग शून्य होती है। विनम्रता का आमसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आमसात करने हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्त कही "बड़ा भया तो क्या भया जैसे पैंड खजूर, पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर" यदि व्यक्ति कोई उपलब्ध हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए व्यक्ति बिना सार्वजनिक हित व उपलब्ध निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्ध पाने पर व्यक्ति का विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता, सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अंहकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, व्यक्ति अंहकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोंकि लगभग शून्य होती है। विनम्रता का आमसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आमसात करने हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है।

विनम्रता, सज्जनता का कमज़ारा ना समाझए,
वीरोंऔर शक्तिशाली लोगों का सदगुण हैं

विनम्रता, सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने खयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए। समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम बूमा शुरू करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्भूत है जो उसे हर मुश्किल से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊँचाइयों पहुँचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊँचाई को अंजित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी खवज देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है व्यक्ति जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का होना उसकी मूल प्रवृत्ति को बदलता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा, सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्भूत का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है, या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम, सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति 'अधिजल गगरी छलकत जाए' की भाँति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। व्यक्ति बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सकृतात् ज्ञानी होकर भी कहत थे कि मैं संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्त कही "बड़ा भया तो ब्या भया जैसे पेड़ खजुर, पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर" यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए व्यक्ति बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता, सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अंहकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, व्यक्ति अंहकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में खत: निखार आने लगता है।

चित्रकूट संदेश

प्राप्त शिकायतों का परीक्षण कर डीएम ने दिये निर्देश



राजापुर में समस्यायें सुनते डीएम-एसपी।

अखंड भारत संदेश

राजापुर में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

चित्रकूट। जिलाधिकारी अधिकारी आनंद व पुलिस अधिकारी वन्दा शुक्ला की मौजूदगी में संपूर्ण समाधान दिवस में समस्यायें मिली हैं, उनका मौके पर जाकर निर्देश कराये।

उहोंने एसडीएम व थाना प्राप्तिरियों से कहा कि भीम संबंधी मामले में राजस्व, चक्रबंदी व पुलिस की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर जाकर निर्देश कराये। थानान के कड़े निर्देश है कि जमीन संबंधी मामलों का तत्काल निस्तारण कराये। पुलिस अधिकारी ने थाना प्राप्तिरियों को निर्देश दिया कि महिला संघ धी मामलों को तत्काल निस्तारित करें। संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों को 104

शिकायतें मिली, मौके पर चार का निदान हुआ। इसके बाद जिलाधिकारी व पुलिस अधिकारी ने तहसील परिसर राजापुर में वकालीण भी किया। इस मौके पर एसडीएम राजापुर प्रभाद कुमार झा, सीओ राजापुर निशा उपाध्याय, डीएफ-ओ और निपाठी, डीसी मरणो धर्मजीत सिंह, एसडीएमओ डॉ एमके जतारिया, डिटी कलेक्टर/तहसीलदार राजापुर फूलचंद यादव, सीबीओ डॉ सुभाष चंद, जिला समाधान दिवस अधिकारी जिला समाधान दिवस में तहसील सभागार कड़े में संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतें सुनकर सम्बन्धित को जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। शनिवार को सम्पूर्ण

एडीएम-एसपी ने फरियादियों की सुनी शिकायतें



फरियादियों की शिकायत सुनते एडीएम व एसपी।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी श्रीमती वंदिता श्रीवास्तव व अपर पुलिस अधिकारी चक्रपाणी त्रिपाठी की अध्यक्षता में तहसील सभागार कड़े में एसडीएम समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतें सुनकर सम्बन्धित को जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। शनिवार को सम्पूर्ण

समाधान दिवस में एसडीएम सदर सौरभ यादव व सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय, कर्वी कोतवाल अजीत कुमार पाण्डेय, थानाध्यक्ष भरतकूप सुविदार बिन्द व राजपुर तथा पुलिस के लोगों की मौजूदगी में एडीएम विनिदा श्रीवास्तव ने भूमि विवाद के मामलों को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमों को मौके पर भेजकर एडीएम व एसपी की सुनी शिकायतें सुनते एडीएम व एसपी।



छात्राओं को आचार-विवार का पाठ पढ़ाते दरोगा।

राजकीय बालिका इंटर कालेज राजापुर में छात्राओं को पढ़ाया पाठ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर नोडल अधिकारी/सीओ जिलापुर श्रीमती निशा उपाध्याय की देखरेख में थाना राजापुर के एसपीसी, पुलिस अधिकारी, चैकी प्रभारी गनीवा राजेल नगर ने राजकीय बालिका इंटर कालेज राजापुर में स्टूडेंट्स पुलिस के डेट्स के छात्राओं को सामाजिक खेल, आचार-विवार के महत्व तथा धैर्य के लाभ के बारे में विस्तृत साधन दिये।

छात्राओं को सुरक्षा-सहायता को महिला व बाल अपराध के बारे में प्रशिक्षित किया।

स्वास्थ्य सेवा तथा थानों में स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में बताकर जगहरू किया। शासन के विभिन्न हेल्पलाइन नब्बरों के पम्पलेट्स बाबा। स्टूडेंट्स एसपीस कैडेट के बाबाया कि उनके साथ ही रहे एक पुलिस के बारे में विस्तृत साधन दिये।

शनिवार को स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट की छात्राओं को सुरक्षा-सहायता को महिला व बाल अपराध के बारे में गुड-टच, बैंड-टच बाबाया बताया कि उन्होंने 1090 विमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 102 एस्युलेंस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 102

वाल बाल बताया।

अतीक-अशरफ के हत्यारों का नया ठिकाना, चित्रकूट जेल

कड़ी सुरक्षा में प्रतापगढ़ जेल से लाए गए चित्रकूट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रतापगढ़ की जेल में बंद आपातकी अतीक व वाई अशरफ के तीनों हत्यारों को देर रात चित्रकूट जिला जेल में शिवाय दिया गया है। तीनों को कड़ी सुरक्षा में चित्रकूट जेल लाया गया।

15 अप्रैल को प्रयागराज के धूमगांज में शूटर सनी, लवकर्श व अरुण ने प्रतापगढ़ जेल में निरद्ध किया था, तबसे तीनों हत्यारों को आचार-विवार के अंदर दिया गया था। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अद्वितीय अप्रैल के अंदर दिया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है। सुरक्षा लिहाजा के तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

प्रतापगढ़ के अंदर दिया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

प्रतापगढ़ के अंदर दिया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है। तीनों को एसडीएम देकर तीनों को अतीक-अशरफ के देखरेख में लिहाजा किया गया है। इनकी निगरानी सीसीटीवी कैमरे समेत पुलिस कोर्स की भूमि करी ही है।

अतीक-अशरफ के हत्यारों को देखरेख में लिहाजा किया गया है।

विदेश संदेश

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में गरजीं इजराइल की मिसाइलों, 26 की मौत



तेल अवीव/यशुश्लम। गाजा पट्टी में फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के बीच छिड़े युद्ध के 43वें दिन आज (शनिवार) भी घमासान मचा हुआ है। इजराइल डिफेंस फॉर्सेज (आईडीएफ) हमास के टिकानों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। इस बीच इजराइल की सेना ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर पर मिसाइलों द्वारा हमले की तरफ आयी है।

इस हमले में 26 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इनमें अधिकांश बच्चे हैं। इजराइल का कहना है कि यहां के लोगों को खान यूनिस को खाली करने की ओर अग्रिम चेतावनी दी गई थी। इसके बाद हमास के टिकानों पर मिसाइल अटैक किया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइल की थल सेना ने मोर्चा संभालते हुए हमास के टिकानों का चुनून करने के बाद निशाना बनाना शुरू कर दिया है। खान यूनिस पर ताबड़तोड़ मिसाइलों द्वारा गिरे हैं।

इजराइली सेना ने हमले से पहले लोगों को खान यूनिस को खाली करने की चेतावनी दी थी। आईडीएफ ने कहा था कि अब इस शहर को खाली नहीं किया गया तो अंजाम बुरा होगा। इस संबंध में प्रधानमंत्री बंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी मार्क रेगेव का बयान आया है कि आईडीएफ ने हमास के हमलावर धरपकड़ तेज कर दी रही। आईडीएफ ने लोगों को चेतावनी जारी की गई थी। साफ कहा गया था कि सेना हमास के खाली के लिए खान यूनिस पर हर तरह के हमले करेगी। इसलिए, वहां रह रहे लोग कहीं दूसरी जगह चले जाएं। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आईडीएफ ने हमास के हमलावर धरपकड़ तेज कर दी रही। आईडीएफ ने हेब्रोन में रात को

कुतैबा उमर अल-क्वास्मा को देखा। इसके भाइ ने इस साताह के शुरू में यश्शलम में सुरंग रोड पर सुरक्षाकर्तों पर हमला किया था। आईडीएफ ने दावा किया है कि हमास की एक सुरंग ऐसी है जिसका एक छोर एक मस्तिष्ठ पर मिला है। इस सुरंग और मस्तिष्ठ का इलेमाल भी हमास ने सैन्य उद्देश्यों के लिए किया है।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजराइली युद्धक विमानों ने रात को जबालिया शारायाथी शिविर के कई इलाकों, बैत लाहिया में घास, गाजा के शेख जायद शहर में आवायी टावरों के आसपास और इंडोनेशियाई अस्पताल के आसपास के इलाकों को निशाना बनाया है। इस घमासान के बीच कहा गया है कि आईडीएफ ने हमास के हमलावर धरपकड़ तेज कर दी रही। इजराइल मानवीय उद्देश्यों के लिए गाजा की अग्रही नाकाबंदी के माध्यम से दैनिक इधन वितरण की

अनुमति देने पर सहमत हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मकतल बन चुके गाजा में बच्चे खुचे लोग अपने परिजनों की तलाश में मलब की खुदाई कर रहे हैं। लोगों को आशंका है कि ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढेर हो चुके घरों के मलबों में यह लोग दबे होंगे। उमर अल-दरवाची और उनके पांडियियों के चारमंजिल घरों में पैतालीस लोग रहते थे। इनमें से 32 की मौत हमले में हो चुकी है। दरवी व अन्य लोग मलबों से 27 शव निकाल चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के कार्यालय का अनुमान है कि 1,500 बच्चों में लगभग 2,700 लोग लापता होंगे। माना जा रहा है कि वे खंडहर हो चुके घरों के मलबों में दबे हुए हैं। इस बीच बुनई, इंडोनेशिया और मलेशिया ने गाजा में तकाला मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया है।

पेशावर हाई कोर्ट ने लादेन को पकड़वाने वाले डॉक्टर की पत्नी और बच्चे को दी बड़ी राहत

पेशावर। अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पकड़ने में साँझाएँ की मदद करने वाले डॉक्टर की पत्नी और बच्चे को पेशावर हाई कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए उनका नाम एकिजट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) से हटाने का निर्देश दिया है। एकल पोर्ट ने डॉक्टर शकील अफरीदी की पत्नी इमराना शकील की याचिका पर

सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया है। ईसीएल में उन लोगों के नाम शामिल होते हैं, जिनको कानूनी कारणों से बाहर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के बकील ने कोर्ट को बताया कि जासूसी के मामले में डॉक्टर को बताया जाना चाहिए। शकील अफरीदी को 23 वर्ष की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उसकी पत्नी और

बच्चे का नाम इस सूची में डाल दिया गया था। तब से वह कहीं भी नहीं जा सकती है। बकील ने कहा कि इमराना शकील के खिलाफ कोई भी अपराध अबतक सिद्ध नहीं हो पाया है और न ही उसे गिरफ्तार किया गया है। डॉक्टर शकील अफरीदी 2011 से जेल में बंद हैं। उन पर एबाबाद शहर में अल-

कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पकड़ने में साँझाएँ की मदद करने का आरोप है। याचिकाकर्ता के बकील आरिफ जान अफरीदी ने अदालत को सचित किया कि उनके मुवाकिल को अमेरिका के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

लंदन में रोडरेज में सिख किशोर की चाकू मारकर हत्या, चार गिरफ्तार



लंदन। दक्षिण-पश्चिम लंदन में रोडरेज (सड़क पर हुए एक झगड़े) में एक सिख किशोर की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि किशोर की पहचान सिमरजीत की सिमरजीत है। उनका नाम एकिजट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) से हटाने का निर्देश दिया है। एकल पोर्ट ने डॉक्टर शकील अफरीदी की पत्नी इमराना शकील की याचिका पर

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि सिमरजीत की हत्या के सिलसिले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए गए लोगों को उप्र 21, 27, 31 और 71 वर्ष

बताई गई है। सिमरजीत की हत्या बुधवार तड़के लंदन के हाउसेंटो ब्लेकेन में हुई थी। पुलिस की विशेषज्ञ अपराध इकाई ने कहा कि वे 17 वर्षीय सिमरजीत की दुखद मौत से जुड़ी घटनाओं की जांच जारी रखेंगे और सिख समुदाय को इस हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का आशावासन दिया। जासूस पुलिस निरीक्षक मार्टिन थोंपे ने कहा, हम सिमरजीत की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को ढूँढ़ने के लिए 24 घंटे काम

कर रहे हैं, क्योंकि उसके परिवार के सदस्य इस घटना से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा, द्व्यादश इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और हमारी पृष्ठालै जारी है। मैं ऐसे किसी भी व्यक्ति से आग्रह करूँगा, जिसके पास इस बारे में जानकारी हो कि घटनाएँ कैसे घटित हुई थीं जिसने भी इस घटना को अपने फोन, डैश कैमरे या डोरबेल फुटेज में कैद किया हो, कृपया आगे आकर हमारा सहयोग करें।

मुझ्जू ने मालदीव के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

साथ इस अवसर पर उनकी पत्नी सजिदा मोहम्मद भी मौजूद थीं। इस अवसर पर भारत के अंतर्यामी प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति इत्तिहास में बनाया। इस अवसर पर भारत के केंद्रीय मंत्री निरीजू समेत कई विदेशी हस्तियों की मौजूदी रही। मुझ्जू (45) ने ह्यायिपिल्कन स्क्वॉयरहॉल पर आयोजित ह्यायीपल्स मजलिसह की विशेष सभा में पद की शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

प्रधान न्यायालयी थाय मुथसिम अदानान ने मुझ्जू को पद की शपथ ग्रहण कराया। इस समारोह में राष्ट्रपति ने एक स्पष्ट राष्ट्रपति के